



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Virendrabhai Khimjibhai Dedhia

Donated his : Heart, Kidney & Liver

Date:- 17/09/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

7 organs harvested from two brain-dead men

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 39-year-old Assam farmer, a 13-year-old Vadodara kid, a 29-year-old man — also from Vadodara — and a couple of others got a new lease of life thanks to the organs donated by two brain-dead patients from south Gujarat on Friday.

The process of organ harvesting was initiated after the families of Virendra Dedhia and Jaman Gondalia — who suffered brain haemorrhage due to sudden increase in blood pressure — agreed to cadaver donation after being approached by DonateLife, an NGO working towards spreading awareness about organ donation.

The 56-year-old Dedhia, a resident of Amardham Cooperative Society in Valsad town, was rushed to hospital on September 14. After CT-Scan confirmed that he had suffered brain haemorrag-



Families and doctors of Virendra Dedhia bidding him adieu

ge, he was shifted to Kiran hospital in Surat where doctors declared him brain-dead on September 17.

After being informed by Doctors Niles Mandewala, founding president of DonateLife, approached Dedhia's family members. They agreed to donate his liver, heart and two kidneys.

"We have to accept the bitter fact that my husband is dead. His organs will save the lives of others, so we decided to donate them," Kas-

turban, Dedhia's wife, said.

Gondalia, a 40-year-old diamond polisher from Kataragam, was admitted to Hospital on September 15. Two days later he was declared brain-dead after his CT-Scan showed that he had suffered brain haemorrhage.

"Both his kidneys failed in 2012 and he needed a transplant. Our mother Dudhiben donated a kidney to him," Gondalia's brother Bharat said. The family hails from Vibhania village in Kalavad



Jamanbhai and Virendrabhai

taluka of Jamnagar district.

"Earlier this year he again suffered kidney failure and was on dialysis. We understand the pain of those who need organ donation. So, when we were informed that my brother was brain-dead, we decided to donate his vital organs." Bharat added, Gondalia's liver and two corneas were harvested.

After the formal consent of the kin of the brain-dead patients, the State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO) was alerted about the cadaver donation.

Dedhia's heart was transplanted into an Assam farmer who was suffering from heart problems since 2019.

The transplant was carried out at Chennai's MGM hospital. His one kidney was transplanted into a 13-year-old child from Vadodara at IKDRC in Ahmedabad.

The other kidney was transplanted into a 29-year-old man from Vadodara at Kiran Hospital in Surat. This was the first cadaver kidney transplant in Surat. A 46-year-old patient from Bhiloda of Sabarkantha district got the liver donated by Dedhia, the transplant was performed at CIMS hospital in Ahmedabad.

Gondalia's liver was transplanted into a 58-year-old man from Ahmedabad at CIMS hospital. His corneas were donated to Surat-based Lok Drishti Eye bank in Surat.

"Surat is now leading in cadaver donation in the country. Total 19 cadaver donations took place through DonateLife in the last 19 days," Mandewala told TOI.

सूरत में 19 दिन में दूसरी बार अंगदान

एक ही दिन में दो ब्रेनडे� व्यक्तियों के अंगदान से सात को नई जिंदगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत से चेन्नई 1610 किमी की दूरी 180 मिनट में की तय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत, उनीस दिन में दूसरी बार एक ही दिन में दो ब्रेनडे� व्यक्तियों के अंगदान से सात व्यक्तियों को नई जिंदगी मिली। 180 मिनट में सूरत से



चेन्नई का सफार तथा यह छह दिन असम के 39 वर्षीय विलास में ट्रांसप्लांट किया गया था। वलसान की अस्पताल

ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ लकवा हो गया था। उर्फ़ वलसान की अस्पताल में भर्ती करने पर थेनेहरेज का निदान हुआ। उपचार के लिए उन्हें सूरत के विलास अस्पताल में भर्ती किया गया था।

वहाँ, वलारगाम की हरेक्युल्या सोसायटी निवासी हीरा अमिक 40 वर्षीय जमनभाई गोडलिया 15 सितंबर को ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ घोषणा हो गया था। 17 सितंबर को दोनों को ही ब्रेनडे� घोषित किया गया। जानकारी मिलने पर डोनेट लाइफ के

प्रयुक्ति निलोश मांडलेवाला और उनकी टीम ने दोनों के परिवार को अंगदान का महत्व समझाया। सहमति के बाद एक हृदय सूरत से 1610 किमी दूर चेन्नई की एमजीएम अस्पताल में आसाम के 39 वर्षीय विलास में ट्रांसप्लांट किया गया।

वहाँ, एक लौवर सावरकांठा के मिलोड़ा निवासी युक्त और दूसरा जहफालाल निवासी 59 वर्षीय अद्येत में ट्रांसप्लांट किया गया। विडी वडोदरा के 13 साल के विलार और 29 वर्षीय युक्त ने ट्रांसप्लांट की गई।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृत्याना..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સૂરત

સૂરત મેં સે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા હૃદય દાન કી 36વીં ઘટના



► દો વ્યક્તિયોं કે અંગદાન સે 7 વ્યક્તિયોંની મહા જીવન

બીઓટી સંવાદવાતા

સૂરત, 18 સિતમ્બર

જવ સે અંગદાન કા પ્રચલન શુરુ હુआ હૈ તથ સે સૂરત શહર મેં અંગોં કે દાન કી સેવા અવિરત મહક રહી હૈ। કલ તક ડાયમંડ સિટી ઔર ટેક્સટાઇલ સિટી કે નામ સે મશાહૂર સૂરત શહર અબ આર્પન ડોનર સિટી કે નામ સે ભી જાના જાતા હૈ। ઇસ બાર ફિર સૂરત શહર મેં દો બ્રેનડેડ વ્યક્તિયોં કે

અંગદાન સે 7 વ્યક્તિયોં કે નયા જીવન પ્રાપ્ત હુઆ હૈ।

મામલા યું હૈ કિ, વલસાડ મેં ડિલક્સ જેરોક્સ સેન્ટર ચલાને વાલે વિરેન્દ્ર દેદિયા કા અચાનક બ્લાડપ્રેશર બઢ જાને કે બાદ ઉન્હેં કસ્તુરવા અસ્પતાલ મેં ભર્તી કરવાયા ગયા। જવ જાંચ કે દૌરાન સિટી સ્કેન કરવાયા તો બ્રેન હેમરેજ હોને કા પતા ચલને પર ઉન્હેં અધિક ઈલાજ કે લિએ સૂરત શિફ્ટ કિયા ગયા। લેકિન ઇસસે બાત ન બની ઔર ઉન્હેં બ્રેનડેડ ઘોષિત કિયા ગયા।

દૂસરી ઘટના મેં રલ્ન કલાકાર જમન ગોંડલિયા ખાના ખાકર ઉઠે હી થે કિ, અચાનક બ્લાડપ્રેશર

બઢ જાને કે કારણ ઉન્હેં કતારગાંબ કી કિરણ અસ્પતાલ મેં ભર્તી કરવાયા ગયા। ઈલાજ કે દૌરાન બ્રેન હેમરેજ હોને કા સામને આને પર ટેસ્ટ કરવાયે ગણ, જિસમે ઉન્હેં બ્રેન ડેડ ઘોષિત કિયા ગયા।

દોનો ઘટનાઓ મેં મૃતક કે પરિજનોનો સે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા અંગોં કે દાન કો લેકર બાતચીત કી ગઈ ઔર સમજાને પર દોનોં પરિવાર અંગદાન કે લિએ રાજી હુએ, જિસમે દો કિડની, દો લીવર, એક હૃદય, દો આંખે દાન કર 7 લોગોં કા નયા જીવન દિયા ગયા। સૂરત સે ચેન્રિ કા 1610 કિમી કા સફર 180 મિનીટ મેં કાટકર ચેન્રિ

કો એમ્બીએમ અસ્પતાલ મેં આસામ કે નિવાસી કિસાન કે હૃદય મેં પ્રત્યારોપણ કિયા ગયા। દાન મેં મિલે લીવર કા ટ્રાંસપ્લાન્ટ પિલોડ્રા ઔર સાંવરકાંઠા કે વ્યક્તિયોં મેં ટ્રાંસપ્લાન્ટ કિયા ગયા।

એક કિડની કા ટ્રાંસપ્લાન્ટ વડોદરા નિવાસી 13 વર્ષીય બચ્ચે મેં કિયા ગયા ઔર દૂસરા 29 વર્ષીય યુવક મેં કિયા ગયા। 19 દિનોં મેં હી ચાર વ્યક્તિયોં કે અંગદાન સે 19 વ્યક્તિયોં કો નયાજીવન દાન મિલા હૈ। અબ તક અંગોં કે દાન સે 859 વ્યક્તિયોં કે જીવન મેં નई રૌશની કા સંચાર હુઆ હૈ।

" જીતે જી રહ્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાનાં..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

दो ब्रेन डेड व्यक्तियों के अंगों का दान



लोकतेज संवादाता

सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाता शहर के रूप में देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। बागड़ विशा ओसवाल समाज के परिवार के साथ-साथ ब्रेन डेड वीरेंद्रभाई (उर्फ-राशिकभाई) खिमजीभाई डेढ़िया और लेउवा पटेल समाज के जमनाभाई पोपटभाई गोंडालिया के परिवार के सदस्यों ने डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान करके सात लोगों को नया जीवन देकर मानवता महेकायी। सूरत से चेन्नई तक 1,610 किमी की दूरी 180 मिनट में तय करके असम के एक 39 वर्षीय किसान का चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण हुआ है। बलसाड निवासी 57 वर्षीय वीरेंद्रभाई (उर्फ-राशिकभाई) खिमजीभाई डेढ़िया डीलक्स जेरोक्स सेंटर के नाम से बलसाड में स्टेशनरी और जेरोक्स की दुकान चला रहे थे। 14 सितंबर की सुबह वीरेंद्रभाई

को अचानक रक्तचाप में अचानक वृद्धि के कारण लकवा का पता चला था। उनके परिवार के सदस्यों द्वारा बलसाड के कस्तूरबा अस्पताल ले जाया गया था। जांचके लिए सीटी स्कैन कराने के बाद परिवार के सदस्यों को ब्रेन हेमरेज का पता चला था, उन्हें आगे के इलाज के लिए सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज और ब्रेन में ब्लड क्लॉट का पता चला। न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक टाकोर मस्तिष्क में रक्त के थक्कों को हटाने के लिए क्रैनियोटांमी की थी। कतारगाम के 40 वर्षीय जमनाभाई पोपटभाई गोंडालिया जीहरी का काम करते थे। वे पिछले 15 सितंबर को जमीन पर बैठे थे। फिर उच्च रक्तचाप के कारण वह बेहोश हो गया। परिजनों ने उन्हे तुरंत किरण अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज शुरू किया। सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज का पता चला। किरण अस्पताल के डॉक्टरों ने वीरेंद्रभाई और जमनाभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। किरण

अस्पताल के डॉ. मेहुल पांचाल और डोनेट लाइफ की टीम ने दोनों परिवारों को अंगदान के महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताने पर वह अंगदान के लिए तैयार हुए। इसके बाद दोनों की 2 किडनी, 2 लीवर, 1 दिल और 2 आंखें दान की गई, जिससे 7 लोगों को नया जीवन मिला। सूरत के किरण अस्पताल से चेन्नई तक 180 मिनट में 1,610 किमी की दूरी तय कर असम के 39 वर्षीय किसान का चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण हुआ है। गुजरात में पिछले 19 दिनों में यह दूसरी बार है जब डोनेट लाइफ ने एक ही दिन सूरत से दो ब्रेन डेड लोगों अंगों का दान किया है। जिससे कुल 19 लोगों को नया जीवन मिला है। गुजरात से हृदयदान की यह 47वीं घटना है। डोनेट लाइफ द्वारा सूरत से हृदयदान की यह 36वीं घटना है। जिसमें से 22 दिल मुंबई में, 7 दिल अहमदाबाद में, 5 दिल चेन्नई में, 1 दिल इंदौर में और 1 दिल नई दिल्ली में ट्रांसप्लांट किया गया है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



अंगदान • असम के 39 साल के किसान को चेन्नई में हृदय का ट्रांसप्लांट किया

दो ब्रेनडेड लोगों के अंगों के दान से
सात लोगों को मिली नई जिंदगी

किटी रिपोर्ट | सुरत

वाणी के विशेष औसत्वात् समाज के बेनहेड वीरेंद्रभाई (उर्फ़-एशिकभाई) स्थीभवीभाई डेहिया और लेन्दवा पटेल समाज के जयनाहू पाटभाई गोडलिया के अंगदान से सतां लोगों को नया जीवन मिला है।

परिजनों ने बैनडंड व्यक्तियों के हृदय, किडनी, लीवर और अंगुखें दान की हैं। हृदय को सूरत से 1610 मिमी की दूरी 180 मिनट में तय कर चलाई पहुँचाया गया। जब हृदय अस्पताल के एक 39 वर्षीय किसान युवक को चेहरे के एम्पोल्यूम अस्पताल में प्रत्यारोपण किया गया। एक किडनी अहमदाबाद के अस्पताल में बड़ोदारा के एक 12 वर्षीय लड़के में और दूसरी किडनी सूरत के किरण अस्पताल में बड़ीदा के 7 साल के लड़के में ट्रांसप्लान्ट की गई।



एवं लैस से अंग ले जाते हुए

- वल्साड के अधैरे व्यवित को ब्रेनडेर घोषित किया: वल्साड निवारी में 57 वर्षीय खोदौर्कार्ड (उमर-रिकार्ड) खोपी गई। डेविड स्टेनरी की दुकान चला रहा था। 14 मिनटवार को सुबह अचानक बन्द फ्रेशर व्हारेसे से लकवा का असर दिखाई दिया। जिससे पर्सिजन कस्टम्स अप्पताल ले ले गए। जहाँ मिट्टी स्कैन कराने पर ब्रेन हमेरेज का पता चला था, उन्हें आगे के इलाज के लिए सूक्त के किरण अप्पताल में भर्ती कराया था।

- दो तीव्र अहमदाबाद में ट्रांसप्लान्ट किए
गए: असम के एक 39 वर्षीय किसीन को जेवर्ड में हृदय प्रत्यारोपण हुआ है, जो सूत्र से चेत्रई तक 180 मिमट में 1,610 किमी की दूरी तय कर पहुंचाया गया। किसीन 2019 से हृदय रोग से पीड़ित था। उसकी हृदय को पीपिंग 5% से घटकर 10% हो गई थी। वहाँ एक तीव्र फिलोडा, खबरकोठा निवासी 46 वर्षीय जवाहिर में ट्रांसप्लान्ट किया गय, जबकि दूसरा अहमदाबाद निवासी 59 वर्षीय निवासी जवाहिर में ट्रांसप्लान्ट किया गया है।

जगनभाई को ब्लड प्रेशर बढ़ने से हुआ था बैन हेमरेज कलागम होकरा मोमझटी निकसी 40 वर्षीय जगनभाई योंपत्रभाई गोडुलिया राज कलाकार का काम करते थे। वह 15 सितंबर को गत 8 बजे जमीन पर बैठे थे। तभी ब्लड प्रेशर बढ़ने के कारण वह बेहोश हो गए। परिजनों ने तुरत किरण अस्पताल में भर्ती करवा और इताज शुरू किया। सिटी स्कैन में बैन हेमरेज का पता चलने पर बैनडेड घोषित कर दिया। इससे पहले अस्पताल के डॉक्टरों ने बीमोरिंग्स बो बैन डेड घोषित किया था। डोमेन लाइक की टीम ने दोनों परिवारों को अंगदान के महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। परिजन अंगदान के लिए सहमत हो गए। इसके बाद दोनों की 2 किलोग्राम, 2 लीवर, 1 हृदय और 2 अंगुखी दान की गई। जिससे 7 लोगों को नया जीवन मिला।

માનવતા મહેકી

વાગડ વિશ્વ ઓયાવળ અને લેઝિવ પટેલ પરિવારે સ્વજને ગમાયો છતં અથ્યને નષ્ટાપણ આપી દાખલો બેસાઈયો

સુરતમાંથી બ્રેઇનડેડ બે વ્યક્તિનાં અંગોનું દાન

144

ରାଜ୍ୟମାନ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିବାରେ ମୁଦ୍ରଣମାତ୍ର ପରେ ଏହା
ବନ୍ଧନ ଅନେ ଏହା କି କିମ୍ବା ପେଟ୍ରୋଳ ବେ ଅର୍ଥିତିନା
ମେଂଗ୍ରେନ୍ ଦାନ କରାଯୁବୁ ହୁଏ, ଯାଚା ଯିବା ସେବାକାରୀ ଅନେ
ଏହା ପରିବାରରେ ସମ୍ପଦେ ପୋତାକାରୀଙ୍କରେଣ୍ଟନା
ଅନେ କରାଯୁବୁ ହୁଏ, କିମ୍ବା ପରିବାର ଅନେ ବ୍ୟାପକ ଦାନ କରି
ମାତ୍ରମାନ କରାଯୁବୁ ହୁଏ।

ବ୍ୟକ୍ତିର ଅନ୍ୟାନ୍ୟମଧ୍ୟ କେବେଳାଙ୍ଗିରୀ, ଶୋଭାଲାଙ୍କି
ପ୍ରସ୍ତରକାମରେ ଦିନ-ରାତାରୁ ଉଠିଲାକାହାର୍ଥ ଖୀମାଳାହାର୍ଥ
ଦିଲିପ (୧୯.୫୦) ଦେଶନାରୀ ଅନେ ତେବେଳାଙ୍ଗି ଦୁଇଜନ
ଯକ୍ଷମନ ତଥା ଦର୍ଶିତାନ ଜଣ ତା । ୧୫ମୀରେ ଲାଭରେ
ଅୟାନକ ପିରେନ୍‌ମାର୍କିନ୍‌ଜୁନ୍ ବ୍ୟାପକେ ଯୌଧିକ
କାମାରୀ ଅଭିଭାବ ଥାଏ ତାହା କେବେଳାଙ୍ଗି ପାଇସରକାମରେ
ନେମନେ ତାନାମନ୍ତର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ କୁଟୁମ୍ବରୁ ଲୋକିଟ୍‌କାମରୁ
ଧରାଯାଇ ଥିଲା । ତ୍ୟାବାକ୍ କୀମି କେବେଳାଙ୍ଗି
ତଥା ପାଇସରକାମରୁ ବେରିଂ ଦେଶରୁ ଯଥିରୁ ନିରାମ ଥିଲୁ ବର୍ତ୍ତ
ନେମନେ ବର୍ତ୍ତ ସାରାବର ମାତ୍ର ତୁରନ୍ତନାରୀ କିରାକ ଲୋକିଟ୍‌କାମରୁ
ଅଚ୍ୟାପା ଥାଏ । ଅଭିଭାବ ତମିମେ ପିରେନ୍‌ମାର୍କିନ୍‌ଜୁନ୍
ମୃଦୁଲୀଙ୍କ ପ୍ରକାଶରେ ବେଳିମେ କାହିଁ ଦୂର କାହିଁ ଲାଗି ।

બીજુ હિસ્સામાં મૂળ જામનાને, હિસ્સાપણા વિભાગીય જામની વતાની અને તોથે કલાકરની રીતે



સુરતમાંથી ડોલેટ લાઈફ
લાસ્ય હંદ્યાદાન કયાપવાળી

અત્રીસાંહી ઘટણા

સુલાણી બેસાઈન્ ૧૬૧૦ રિમેન્ હાંડર
૧૮૮ રિનિટિમા કાપીને હુદાયનું
દુઃખાલાંન સેચાઈની ઊરીસિટેચાના
આસાનના ૩૫ વર્ષાંથી ભેટુંનો કાશનું
આવ્યું હતું આ યુક્ત રૂધાણી
હુદાની બોમારીની પોડાનો હતું અને
એલા મહિનામાં તેના હુદાયનું પરિસર પ
કરીનો એ ટકા પેટું થા ગંગું હતું
અને રાત્રીનું સુદૂર રોને એકાશાન
ગુજરાતાની ડોરના પાછા કારા ૧૦૨
કિડની, ૧૬૮ રિસર્વ, ચ પેનીક્રિસા, ૧૬૮
રિસર્વ, ૨૫ કિડની અને ૩૦૨ યાદુઓની
કુટુંબ ૩૩ લંગો અને દિસ્ટ્રિક્શનું દાના
મંગળીને ૧૮૮ વ્યક્તિઓને નાનું રુદ્ધાન
અને નાની દિન જાસ્તાના સંકુલાના



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



વિરેન્દ્રમાઈ દેઢિયા અને જમનભાઈ ગોડલિયાએ અંગદાન કરી ઉંઘિનોને જીવનદાન આપ્યું હતું.

સુરત અને વલસાડના બે વ્યક્તિના અંગદાનથી સાતની જિંદગીમાં નવી રોનક

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

ટેક્સટાઇલ અને શાખાંના સિટીની ઓળખાનું સુરત શહેર હવે દેશમાં ઓર્ગન ડોનર સિટી તરીકે ખ્યાતિ પામી રહ્યું છે. વલસાડના પ્રોફેન્સ હદ્દય, કિડની અને લીવર અને કાતરગામના યુવાનનાં લિવર અને ચશુઅંનાં અંગદાનથી સાત વ્યક્તિનોને નવજીવન મળ્યું છે. બંને પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ માનવતાની મહેક કેલાવી સમજાને નવી દિશા અતાવી હતી. વલસાડના નીથથ રોડ પર અમરધામ સોસાયટીમાં રહેતા પણ વર્ધીય વિરેન્દ્રમાઈ ઉક રશીકભાઈ જીમજીભાઈ દેઢિયા વલસાડમાં લેરોકની દુકાન ચલાવે છે. ગત તા. ૧૪મીએ સવારે તેમને બ્લડ પ્રેશર વર્ધી જવાથી લકવાની અસર થતા વલસાડ બાદ સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. સીટી સેન

કરાવતા ભેઈન હેમરેજ તથા મગજમાં લોહીનો ગઠો જાણી નથો હોવાનું નિદાન થયું હતું. આ ઉપરાંત મુશ્કે જીમનગરના કાલાવડમાં વિભાગીયાગમના વતની અને હાલમા કાતરગામમાં હંદે કૃષ્ણ સોસાયટીમાં રહેતા ૪૦ વર્ષીય જમનભાઈ પોપટભાઈ ગોડલિયા રલકલાકારનું કરતા હતા. ગત તા. ૧૫મીએ રાતે ભોજન કરીને બેઠો હતો. પણ બ્લડ પ્રેસર વર્ધી જાળ બેભાન થતા તેને સાવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. જોકે તેમજું સિટી સેન કરતા ભેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. જ્યારે વિવરનું દ્રાન્સપ્લાન્ટ સાબરકાંઠાના મિલોડાના ૪૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. તો બીજું વિવરનું દ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેતા ૫૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અને કિડની વ્યોદરાના રહેતા ૧૩ વર્ષીય તરફામાં અને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે બીજા કિડની વડોદરાના ૨૯ વર્ષીય યુવાનમા સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દ્રાન્સપ્લાન્ટ ડોક્ટરની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું.

**વલસાડના પ્રોફેન્સ હદ્દય આસામના યુવાન ખેડુતમાં ધબક્કતુ થયું:
સુરતથી ૧૮૦ મિનિટમાં હદ્દય ચેનાઈની હોસ્પિટલમાં પહોંચાડાયું**

" જીતે જી રહ્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્દયાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતનાં દેખિયા અને ગોડલિયા પરિવારે બ્રેઇનડેડ સ્વજનનાં અંગોનું દાન કરી ઉને નવજીવન આપ્યું

સુરત તા.૧૮

ટેકાઈલ અને પ્રયમાડ સિટીથી ઓળખાતું સુરત શહેર હવે દેશમાં 'ઓર્ગાન એનર સિટી' રીતે ખ્યાતિ પામી રહ્યું છે. અંગદાનની અવારનવાર ભનતી ઘણનાઓ માનવતાની અનરી સુવાસ કોણવે છે. પ્રથમ જ્ઞાનવાર્માં, વલસાડની અમદાવાદ સોસાયટી, શીલાપાઈ કોર્પોરેશન, તીવ્યલ રોડ ભાતે રહેતા અને ડિલ્ફલ એરોસ સેન્ટરના નામથી સેટશનની અને એરોસની દુષ્ટન ચલાવતા પણ વર્ષિય વિરેન્ડ (ઈંડીન્ડિકલ) પ્રોમ્ઝ દેખિયાને તા.૧૪ સપ્ટેમ્બરના
રોજ વહેલી સવારે ૫:૩૦ વાગ્યે એકાનેક



૨ કિંની, ૨ લિવર, ૧ હૃદય અને ૨ ચક્કાઓનું દાન, સુરતમાંથી હૃદયદાનની ઉદ્મી ઘટના, ગુજરાતમાં એક જ દિવસે એકસાથે બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિઓનાં અંગદાન મળ્યાની બીજી ઘટના

વર્ષિય જ્ઞાનવાઈ પોપટાઈ જોડાની ગત તા.૧૪ સપ્ટેમ્બરના રોજ સાજ ૧:૦૦ કલાકે જમીને થારે પરિવાર સાથે બેઠી હતા, ત્યારે બ્લાફ્લેશર વધી જવાને કરણે અચાનક બેભાન બઢી ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક હિરસ હોસ્પિટલમાં ડેંક્લેશ જોડિલની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યા. જ્ઞાન સારવાર દરમિયાન

સુરતના ચુંચકનું હૃદય આસામના ખેડૂતમાં ઘબકતું થયું

સુરતની કિરણ હોસ્પિટલથી ચેલાઈનું, ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેલાઈની MGM હોસ્પિટલમાં આસામના રહેવાસી ૩૮ વર્ષીય ખેડૂત ચુંચકમાં કરવામાં આવ્યું હતું. આ ચુંચક ૨૦૧૮થી હૃદયની નિમારીથી પીડાતો હતો, અને છેલ્લા મહિનામાં તેણા હૃદયનું પરમીંગ ૫% થી ૧૦% જેટલું વધી ગયું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલા એક લિવરનું સકળ પ્રત્યારોપણ અમદાવાદની સીમસ હોસ્પિટલમાં સાબરકાંઠાના નિલોડાના રહેવાસી ૪૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અને બીજા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની IKDRC હોસ્પિટલમાં અમદાવાદના રહેવાસી પણ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યાંએ એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના રહેવાસી ૨૮ વર્ષીય ચુંચકમાં કરવામાં આવ્યું છે. સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યાના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસના સહકારથી હૃદય, કિડની અને લિવર સમયસર ચેલાઈ અને અમદાવાદ પર્ફોર્માન્ડ માટે બે ચીલ કોરિડોર ભનાવાયા હતાં.

બ્લાફ્લેશર વધી ગયું હતું. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક વલસાડની ઇસ્ટરાના હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા. નિદાન માટે સિટી સેન્ટ કરાવતા બ્રેઇન હેમાટેજ અને મગજમાં લોડિનો ગંભીર જમી ગયો હોવાનું જણાયું હતું. જેથી પ્રેક્ટરની સલાહ મુજબ પરિવારજના તેમને વધુ સારવાર માટે સુરતની હિરસ હોસ્પિટલ બાઈ આવ્યાં. જ્યાં ન્યૂયોર્કના ટેન્ઝોમિસ્ટ હ્યુકોર કેનિઝોટોમી કરી મગજમાં જામેલો લોડિનો ગંભીર હુદ્દ કર્યા પણ વધુ સારવાર શક્ય ન હાંપાયો. બ્રેઇનડેડ જોહર કર્યા હતાં.

બીજી ઘટનામાં મૂળ જ્ઞાનજર હિલ્લાના કાલાવડ તાલુકાના વિભાગીય ગામના વતની અને હાલ સુરતના કારાગામની હરેક્ષણ સોસાયટીમાં રહેતા અને રલ્ફલાકાર તરીકે ક્રમ કરતાં ૪૦

સિટી સેન્નમાં બ્રેઇન હેમાટેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. પણ વધુ નિદાનમાં જ્ઞાનજાઈને પણ બ્રેઇનડેડ જોહર કરાવ્યા હતાં.

એક સાથે બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિઓના નિશ્ચિત મૂલ્યને બંને પરિવારે ભારે હૃદયે સ્વીકાર્ય અને પ્રેનેટ લાઈફ અને હિરસ હોસ્પિટલ અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેમોએ અંગદાનનો નિર્ણય કર્યો. સ્વજનના અંગોથી અન્યોને નવજીવન આપી શકાશે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાનાં..."



સુરતમાં બ્રેઇનડેડ બે વ્યક્તિના અંગદાનથી ઉને નવજીવન

ધાર્મિક પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૧૮

ટેકટાઈલ અને ડાયમેન્ડ સિસ્ટમ
નરીક અંગોળાનું સુલન શાહેર કર
દેશમાં ઓર્ગન પ્રેનર સિટી નરીક
ખાતી પામી રણું છે. વાગ્ડ વિશ્વ
અંગોળાનું સમાજ તમણું બેચુાં પઠે
સમાજના બેચુન ડે વિન્ડ્યુનાના
(ઉફ-ર્યુટ્ટાએ) ભીમજીલાં
દુદ્ધિક અને જુનાનાલારી પોંપાના
ગોલ્ડીયાના પાદિનારે પ્રેનેટ બાલીન
માધ્યમથી તેમના હૃદય, ડિનીન
લિવર અને ચ્યામુંનું દાન કરી સાથે
બિનિનોને ન હું જીવન આપ
માનવતાની મંદુક કેલાલી છે, સુરતથી
બેચુનની વાત કરીની ગંભીર

બનેઠનું રહ્યું જણાનું જતા
૧૮૦ મિનિટ્સાં કાપીને હૃદયન
દ્રવ્યાશાળાનું આસામના ચેંચાસી ૩૦
વર્ષીય ખેડૂતમાં ચેનાઈનો ???
એટિંગના કરવાનાં આવ્યે છે

વાલસાડ ખાતે રહેતા પણ વર્ષીય
વિક્રેન્ટબાઈ (૧૯૫-૨૩૦૫બાઈ)

વલસાડના આધેડ વીરેન્ડ દેટિયાનું પ્રેશર વદ્યા બાદ ખેદનકેડ થયું હતું : સુરતના જમન ગોડલિયાને હેમટેજ બાદ ખેદનકેડ થયું હતું : બળોના અગોનું દાન : જમનભાઇનું હૃદય આસામના ખેડૂતમાં ઘણકતું થયું



અનુભવ પ્રોફેસર એંડ ડાક્ટર

નીરોજા (ક્ષેત્રા) નીરોજા દેખા

સરનાં ટેક્નિકલ લે

ଅନେକ ତାରୀ ସମ୍ପଦ ପ୍ରକିଳ୍ପିତ ହୁଏଥାଏନ୍ତି
ଲେଖିବୁ ଅନେକଙ୍କ ଶାର୍ଟ ଲେଖାର ଯେତେ
ଲେଖାକୁ ଅନେକି କିମ୍ବା କି କିମ୍ବା
ଲେଖାକୁ ଅନେକଙ୍କ ଲେଖାକୁ ଦିନ କରାଯାଇ
ଅନେକ ଶାର୍ଟ ଲେଖାକୁ ଉ ଅନ୍ତରିମ
ନଗରିରେ ଥାଏଇଛି

સુરતની હિસ્થિતિથી બેના ૧૯૭૦ ડિઝિન્યુનું અંતર ૧૦ મિનિટનું
કોઈને પૂર્વયાત્રાનું ટ્રાન્સલ્ફરાન્ડ બેનાની એન્ટ્રીનું
એમણીએં લાંચિટાખાં આસાદમાં
એવાંની ઓં વિશ્વ બેનાનું કર્યા
આંબું છે. આ પુરક ૨૦૧૩ની વિશ્વ
બીમારીની પ્રોફેશન તથા અને એનું
મહિનાના તોપું પૂર્વયાત્રાનું પ્રક્રિયાના
૧૦% કેટલું વધુ ગમું હતું. દાન
એવાંનું આપેલા એંક્ડ વિસ્તાર
ટ્રાન્સલ્ફરાન્ડ બીમાં, આસાદમાંથી
દરેવાસીની હું વર્ષીય વિશ્વાસ
અભદ્રાકાની એન્ટ્રીની એન્ટ્રીના
બીમા કિયતું તોનુંનાનું અભદ્રાકા
દરેવાસીની પરં વર્ષીય વિશ્વ
અભદ્રાકાની આડાડી જીનાં
સ્ટેપિટાખાં એવાંમાં આવ્યું છે.

Journal of Business Ethics

ଦେଖିଲାମ କାହିଁବାରୀ ଆପଣଙ୍କ ଅତିରିକ୍ତ ଟ୍ରେନିଂକାଳେ କେବଳଟାଙ୍କ ଏବେବାର
୧୩ ଦିନୀଯ ଅଧ୍ୟାତ୍ମା ଅଭ୍ୟାସାରଥିରେ
ଅବ୍ୟାସିତାକାରୀଙ୍କ ବେଳୀ ଶୁଣି କିମ୍ବା
ଟ୍ରେନିଂକାଳେ ଅଭ୍ୟାସା ଏବେବାରୀ ୧୮ ଦିନୀ
ପ୍ରେରଣମୁଁ ତୁରନ୍ତର ହିରା ଲୋପିଟକମ
କରିଯାଏ ଥାଏନ୍ତି ତୁ ଉଚ୍ଚ ଲୋପିଟକମ
ଅଭ୍ୟାସ କୁହି ୧୨ ଦିନୀରେ ଟ୍ରେନିଂକାଳେ
କରିଯାଏ ଥାଏନ୍ତି ଏବେବାରୀ ଜ୍ଞାନାବ୍ୟାସା
ଥାଏନ୍ତି ଏବେବାରୀ କିମ୍ବା ୫ ଦିନୀରେ
ଥାଏନ୍ତି ଏବେବାରୀ କିମ୍ବା ୫ ଦିନୀରେ
ପରିବର୍ତ୍ତନରେ
କିମ୍ବାନୁହିଲା କରିଯାଏ ଥାଏନ୍ତି କୁହି
କୁହିପରିବର୍ତ୍ତନ ବ୍ୟାସରେ
କେବଳିକ କିମ୍ବାନୁହିଲା

ISSN: 0008-4304 13(2014)

ହୃଦୟ ନାଚ କିମ୍ବା ତୁମେପରିବାନ କରିବାମ୍ବ
ଅନ୍ଧା ଥିଲୁ, କରିଲୁ, ତିରିଲୁ ନାମେ ଲିଖିବା
ଜମ୍ବୁଶର୍ଦ୍ଦ ଯେନାଈ ନାମେ ଅନ୍ଧାପାଦ
ଫଳୋଦୀପାଦ ମାଟେ ଏ ଗୀତ କିମ୍ବା ପରିଦେଵ
ଅନ୍ଧାପାଦ ଅନ୍ଧା କାହା ହେଲା ମୁଣ୍ଡ କାହେଲେ
ପାଇଁଲି ତେମାଙ୍କ ରହିଲାନା ପିପିର ଶର୍ଦ୍ଦ ଅନେ
ପାଇଁଲି ପାଇଁଲିଲେଣେ ସଫଳର ଲୋପିପ୍ରେସ ଲେବେ

ପିପିର ରାତରେ ମଧ୍ୟମାତ୍ର ପାଇଁଲି ଆମ୍ବା
ଦେଖିଲୁ ଅନ୍ଧାପାଦ ମୁଣ୍ଡ କୁ ଅର୍ଥେ
ଥିଲୁ, ତାପ ଦେଲେ ପାଇଁଲି ଦାରୁ ଅନେ ଅନ୍ଧା
ପିପିରର ରତ ଦିନୀ, ରତ ଲିଖିଲୁ, ୧୦
ହୃଦୟ, ୧୫ କେହିଲୁ, ୧ ପେନ୍ଡିଲିକ୍‌ସ ଅନେ
୧୦ ଯକୁଳେ ଜାତି କୁଳ ୧୨୧ ଅନେ ଅନେ
ଶୈତାନୀଙ୍କା ଦଳ ମଧ୍ୟ ଦେଖାନ ଅନେ
ନିରାକାର କୁଳ ୧୨୧ ଅନେବି ନିରାକାରନା
ଦୀର୍ଘମେଣେ ନାୟିବନ ଆପରାମା ଲକ୍ଷତା
ମାତ୍ର ଥିଲୁ, ମୁଣ୍ଡ ଅନେ କରୁଥିଲାମାତ୍ରେ
ମେନେ ପାଇଁଲି ଦଳ ୧୦୨ ଦିନୀ, ୧୯୯
ଲିଖିବାର, ୮ ପେନ୍ଡିଲିକ୍‌ସ ୩୫ ହୃଦୟ, ୧୫
କେହିଲୁ ଅନେ ଉତ୍ତର ମୁଣ୍ଡମେ କୁଳ ୧୦୭ ଅନେ
ଅନେ ଶୈତାନୀଙ୍କା ଦଳ ମଧ୍ୟବିନେ ୧୫୯
ନିରାକାରନ ନାହିଁବାକା ଅନେ ନାହିଁ ପାଇଁଲି
ଆପରାମା ମୁଣ୍ଡମା ମାତ୍ର ଥିଲୁ.

દેખીએનું કાકોરે કેનીઓટોની કરી
મગજમાં જામેલો બોડીને નદ્દી હુરે
કપી હતો.

કારણમાં આપે રહેતા ૪૦
વર્ષથી જુમનભાઈ પોંગટાઈ
ગોલ્ડિયા સલકાયા તરીકે ક્ષેત્ર કરતા
હતા, તેણે જેત ૧૫ સ્કેપ્ટાના એચ
ફ્રેનીને બેઠું હતા, ત્યારે અયોદ્ધા
વાણી જુવાને કરાયે બેખાલ વિશ્વા
હતા, પરિવારજનોએ ન મળે
તાત્કાલિક કિરણ હોલિસ્પ્ટેકના દાનાના
કરી સારાયા શરૂ કરવામણે આવી હતા,
નિદાન માટે સીટી સેન કરવાતા
બ્રેન હેમએજ હોવાનું નિદાન થયું
હતું, જેત એચ કિરણ હોલિસ્પ્ટેકના
ગેક્ટરોએ કિરેનાઈ અને
જુમનાઈને બ્રેનને કે જાહેર કર્યા
હતા, કિરણ હોલિસ્પ્ટેકના ગેમેસ્ટુલ
પણ્યાલ અને ગેનેટ લાઇઝની ટાઇમ
અને પરિવારોને અંગેદાનનું માટેવ

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



સુરતથી ચેનાઈનું અંતર 180 મિનિટમાં કાપી હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું
બિડ પ્રેશર વધી જતા બ્રેનડેડ થયેલા બે વ્યક્તિના
અંગોનું દાન કરી 7 વ્યક્તિઓને નવું જીવન અપાયું

દેખારિપોર્ટ સરન

બ્લડ પ્રેશર વધતા ભેન હેમરેજના
કારસો જોનડે થયેલા કિતારગામના
પુવક અને વલસાડના આવેઠના
અગોનું બંને પરિવારે દાન કરી 7
વ્યક્તિને નવું જીવન આપ્યું છે.
સુરતથી ચેનાઈનું 1610 કિમીનું
અંતર 180 મિનિટમાં કાપી
કદમ્યનું ટ્રાન્સલાન્ડ આસામના
39 વર્ષથી ખેડૂતમાં કરાયું હતું.
કિતારગામ હરેકુણ સોસાયટીમાં
રહેતા રેલલાલાકાર જમનભાઈ
ગોલ્ડિયા(40)ના 15 સાફ્ટેન્ડ



નિષેલાંબાઈ દેહિયા જામણાંબાઈ ગાડલોયા

અચાનક બ્લાડેશર વથી જતા
બેભાન થઈ ગયા હતા જેવી તેમને
કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા
હતા. જ્યાં બેનહેમેરજ હોવાનું
નિદાન થયું હતું. 17મીએ તેમને
બેનહેડ જાહેર કરાયા હતા. તેવી જ
ગીતે વલસાડ અમરધામ સોસાયટી

સુરતમાં પ્રથમ વખત કેડેવરીક કિડનીનું ટાબ્સાપાન્ટ

હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેનાઈની અમદાવાદ હોસ્પિટલમાં આસામના 39 વર્ષાધી ખોલ્સુમાં કરાયું હતું. એક લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 46 વર્ષાધી પુવાનમાં અમદાવાદ જાતે, બીજા લિવરનું અમદાવાદના 59 વર્ષાધી આપેડમાં અને એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના 13 વર્ષાધી બાળકમાં કરાયું હતું. જ્યારે બીજા કિડનીનું બરોડાના 29 વર્ષાધી પુવકમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરાયું હતું. સુરતમાં સૌપ્રથમ વખત કિરણ હોસ્પિટલમાં કેવરિક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયું છે.

ખાતે રહેતા વિરેન્દ્રભાઈદિવા(57)
ના 14 સાટેએખરે લ્લડ પ્રેશર વધી
જતા વલસાડની ખાનગી હોસ્પિટ. માં
બ્રેઝન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયા
આ સરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં

દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં તેમને પણ
17મીએ ભેણનેકે જાહેર કરાયા હતા.
ડોનેટ લાઈફની ટીમે બને પરિવારોને
ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવતા
પરિવારના સભ્યો સંમિત થયા હતા.

સુરત શાહેરમાંથી હૃદય દાન કરવાની છગ્ગોસમી ઘટણા : હૃદયનું ડ્રાન્કાલાન્ડ ચેન્નાઈ અને આસામમાં ડ્રાન્કાલાન્ડ કરાયું

2024 RELEASE UNDER E.O. 14176

कृष्ण ने अपनी दीर्घी
तारीख संवेदन का शुभ दोहराया
जिसके बाहर विषयी भावना
पापे की तरफ नहीं लग रही थी।
मुलाकात के दौरान उसके बारे में
एक अद्वितीय विचार आया।
उसकी अन्य वास्तविकता
का अनुभव नहीं हो सकता। अब
उसकी दृष्टि एक अन्य वास्तविकता
का अनुभव करने लगी। अब
उसकी दृष्टि एक अन्य वास्तविकता
का अनुभव करने लगी।

त्रिवेदी ने कहा कि उनके अपने लोगों को बड़ी चिंता है कि यह जाति को अपने लोगों की जाति के रूप में बदल दिया जाए।



"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાની છત્રીસમી ઘટના

વલસાડ-સુરતના યુવાનના અંગદાનથી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

**સુરતથી ચેજ્ઝાઇ 1610
કિમીનું અંતર કાપીને
હૃદય આસામના
ખેડૂતમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરાયું**

સુરત : સુરતમાં એક જ દિવસમાં બે બેધનકેડ વ્યક્તિઓના અંગદાનથી સાત વ્યક્તિઓ સજીવ થયા હતા. , વલસાડના તીથલ રોડ ઉપર અમરધામ કો.ઓ. હાઉસીંગ સોસાયટીમાં રહેતા 57 વર્ષિય વિરેન્ડ્રભાઈ ઉર્ફ રસીકભાઈ ખીમજીભાઈ દેટિયા એરોક્ષ અને સ્ટેનશનરીની દુકાન ચલાવી પરિવારનું ગુજરાન ચલાવતા હતા. તા. 14મી સાટેમબરના રોજ તેઓને બલડપ્રેશર વધી ગયું હતું અને વલસાડની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરતા ડોક્ટરોએ

બેધન હેમરેજ હોવાનું જણાવ્યું હતું. ત્યાંથી વધુ સારવાર માટે તેઓને સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં એડમીટ કરાયા હતા. આ ઉપરાંત મુલ જમનગર જિલ્લાના કાલવડના વિભાગીયા ગામના વતની અને કતારગામ હુરેકૃપણ સોસા. માં રહેતા જમનપોપટભાઈ ગંડલીયાને બલડપ્રેશર વધી જવાને કારણે કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. તેઓને ડોક્ટરોએ બેધનકેડ જાહેર કર્યા હતા.

શુક્રવાર તા. 9 સાટેમબરના રોજ કિરણ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ વિરેન્ડ્રભાઈ અને જમનભાઈને બેધનકેડ જાહેર કર્યા. બંને મૃતકોની ર કિડની, ર લિવર, ૧ હૃદય અને ર ચક્ષુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું જેનાથી ૭ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન મળ્યું. સુરતની કિરણ

હોસ્પિટલથી ચેજ્ઝાઇનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેજ્ઝાઇની MGM હોસ્પિટલમાં આસામના રહેવાસી ૩૮ વર્ષીય ખેડૂતમાં કરવામાં આવ્યું છે. ગુજરાતમાં છેલ્લા ઓગાણીસ દિવસમાં સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા એક જ દિવસે એક સાથે બેધનકેડ વ્યક્તિઓના અંગદાન કરાવવાની આ બીજી ઘટના છે. જેના થકી કુલ ૧૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળ્યું છે. ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આ સુડતાલીસમી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદય દાન કરાવવાની આ છત્રીસમી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૨ હૃદય મુંબઈ, ૭ હૃદય અમદાવાદ, ૫ હૃદય ચેજ્ઝાઇ, ૧ હૃદય ઇન્ડોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

" જીતે જી સ્તરાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 17th Sep, 2021

402

KIDNEY

168

LIVER

8

PANCREAS

36

HEART

18

LUNGS

302

CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Total 932 Organs & Tissues donated which has given
New Life & Vision to 856 persons across Country & Globe.

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयादान..."